बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक – 03 - 03-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज संधि के बारे में अध्ययन करेंगे।

स्वर संधि किसे कहते है

स्वर का स्वर के साथ मिलान होने से जो विकार (परिवर्तन) बनता है, उसे स्वर संधि कहते है जैसे -

हिम+आलय = हिमालय

महा+आत्मा = महात्मा

प्रति+आशा = प्रत्याशा

सु+उक्ति = सूक्ति

स्वर-संधि पाँच प्रकार की होती हैं-

(I) दीर्घ संधि

(Ii) गुण संधि

(Iii) वृद्धि संधि

(Iv) यण संधि

(V) अयादि संधि

(I) दीर्घ संधि - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ वर्णों के होने वाली संधि को दीर्घ संधि कहते है

इसके तीन नियम है :-

(क) अ और आ की संधि -

अ+अ = आ- वेद+अन्त = वेदान्त, मुख्य+अध्यापक = मुख्याध्यापक

अ+आ= आ- नव+आगत =नवागत, सत्य+आग्रह = सत्याग्रह

आ+अ = आ- विद्या+अर्थी = विद्यार्थी, तथा+अपि = तथापि

आ+आ = आ- दया+आनन्द = दयानन्द, रचना+आत्मक = रचनात्मक

(ख) इ और ई की संधि-

इ+इ = ई- कवि+इंद्र = कवींद्र, मही+इंद्र = महिंद्र।

इ+ई = ई- कपि+ईश = कपीश, मुनि+ईश = मुनीश।

ई+इ = ई- मही+इंद्र = महींद्र, नारी+इंदु = नारींदु
ई+ई = ई- नदी+ईश = नदीश, मही+ईश = महीश

(ग) उ और ऊ की संधि-

उ+उ = ऊ- सु+उक्ति = सूक्ति = भानूदय, कटु+उक्ति = विधूदय
उ+ऊ = ऊ- लघु+ऊर्मि = लघूर्मि, धातु+ऊष्मा = धातूष्मा
ऊ+उ = ऊ- वधू+उत्सव = वधूत्सव, साधू+उत्सव = साधूत्सव
ऊ+ऊ = ऊ- भू+ऊर्जा = भूर्जा, वधू+ऊर्मि = वधूर्मि

जब व्यंजन में से स्वर को अलग किया जाता है तो व्यंजन के नीचे हल चिह्न लगया जाता है या वह आधा लिखा जाता है और जब व्यंजन में स्वर मिलाया जाता है तो पूरा लिखा जाता है

(Ii) गुण संधि - इसमें अ, आ के आगे इ, ई हो तो ए, उ, ऊ हो तो ओ, तथा ऋ हो तो अर् बनता है। इसे गुण-संधि कहते हैं| जैसे-

क)-अ+इ = ए- नर+इंद्र = नरेंद्र ,सुर+इन्द्र = सुरेन्द्र
अ+ई = ए- सुर+ईश = सुरेश, राज+ईश = राजेश
आ+इ = ए- महा+इंद्र = महेंद्र ,रमा+इन्द्र = रमेन्द्र
आ+ई = ए महा+ईश = महेश , उमा+ईश = उमेश
(ख)-अ+उ = ओ- रोग+उपचार = रोगोपचार , चन्द्र+उक्ति = चन्द्रोदय
आ+उ = ओ- महा+उदय = महोदय, महा+उपकार = महोपकार
अ+ऊ = ओ- सागर+ऊर्मि = सागरोर्मि ,नव+ऊढा = नवोढ़ा
आ+ऊ = ओ- गंगा+ऊर्मि = गंगोर्मि,महा+ऊष्मा = महोष्मा
(ग)- अ+ऋ = अर्- देव+ऋषि = देवर्षि, राज+ऋषि = राजर्षि
(घ)- आ+ऋ = अर्- राजा+ऋषि = राजर्षि, वर्षा+ऋषि = वर्षर्तु

नोट :- जिस र में स्वर नहीं होता वो ऊपर लिखा जाता है